अनुभव

श्वेत वस्त्रधारी का स्वर... तू चिंता मत कर

ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय से मैं पिछले दस सालों से जुड़ी हुई हूँ। मेरा नाम डॉ. पूजा राजपूत,फिजियोथेरेपिस्ट हूँ, और मैं जब ब्र.कु. चन्द्रकांता दीदी से मिली तो मेरी पूरी जिन्दगी बदल गई। दीदी चन्द्रकान्ता का मेरी जिन्दगी में बहुत बड़ा रोल है, 2014 में मेरी बहुत बुरी दशा थी, 09-09-2014 दिन बुधवार को शाम को लगभग 07:30 बजे हमारे घर पर कुछ भी नहीं था, आज पूरे दिन से घर पर कुछ भी नहीं है, क्या बनाएं, क्या खाएं? कुछ भी नहीं है। मेरे परिवार में मेरे काका जी, मेरे ताऊ जी, मेरे पड़ोसियों से भी मांगा लेकिन हमें किसी ने भी कुछ नहीं दिया। हमने सिर्फ पानी पी के रात गुजारी, मेरी मम्मी ने बोला कि आप दोनों भाई-बहन जहर खा लो। मैं तुम्हें भूखा नहीं देख सकती, फिर मैंने मम्मी को बोला आज हमारा वक्त ठीक नहीं है, पर कल सुबह की किरण बहुत अच्छी होगी। जब हम रात को सोये तो लगभग सुबह के 4 बजे एक लाल प्रकाश का अनुभव हुआ, एक सफेद वस्त्र में एक इंसान दिखा और बोले कि मीठी बच्ची चिंता मत करो, मैं बैठा हूँ। फिर मैं उठी 4 बजे, स्नान किया और बाहर जाकर बैठी। तब मुझे बहुत तेज़ भूख लगी हुई थी, खाने के लिए कुछ भी नहीं था। फिर एक पड़ोस से माता जा रही थी, गुरुवार का दिन था तो मैंने उस माता से पूछा कि माता जी आप मंदिर जा रही हो तो मुझे भी ले चलो, वहाँ मुझे प्रसाद खिला देना, मेरी भूख मिट जाएगी। वो माता रोने लगी, फिर उन्होंने कहा कि बेटा मंदिर नहीं जा रही हूँ, ब्रह्माकुमारीज आश्रम जा रही हूँ। मैंने माता को कहा वहाँ कुछ खाने को मिलेगा क्या? माता ने कहा हाँ, चलो वो बाबा का घर है, वहाँ आप को निराश नहीं होना पड़ेगा, बाबा सबको खुशी देता है, तब मैंने खुश होकर मेरे मम्मी-पापा और भाई को बोला कि वहाँ खाने को मिलेगा चलो...चलो...। तो मेरा पूरा परिवार खुश हुआ और हम सभी बाबा के घर निकल गये। जब हम बाबा के घर पहुँचे, वहाँ ब्र.कु. चन्द्रकांता दीदी मुरली सुना रही थीं, भाई-बहन बहुत बैठे थे, तो मैंने सोचा इतने भाई-बहन बैठे हैं, क्या मिलेगा खाने को! मुरली खत्म होते ही चन्द्रकांता दीदी ने भोग दिया तो हमारे पूरे परिवार ने बड़ी खुशी से भोग खाया, आँखों से आंसू निकल आए और खुशी का ठिकाना नहीं था। दिल से शुक्रिया किया कि आपने मेरे परिवार को भोग दिया, फिर हम जैसे ही बाबा के घर से निकल रहे थे, इतने में दीदी चन्द्रकांता को पता नहीं कैसे पता चला उन्होंने मुझे रोका- बहन रुको, इतने प्यार से बोला तो मैं रुक गई। मैंने सोचा पता नहीं दीदी क्या बोलेंगी। दीदी ऊपर से एक बहुत बड़ा थैला लेकर आईं, मैंने पूछा दीदी इसमें क्या है? तो दीदी ने कहा कि इसे घर ले जाओ और घर जाकर ही देखना और उन्होंने कहा कि बाबा के घर आते रहना तो मैंने कहा ठीक है। और मैं जब घर के लिए निकली तब घर जाकर देखा, उस थैले में आटा था, दाल, मसाले, बहुत सारी चीजें थीं, मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस तरह पूरा परिवार बाबा के घर जाने लगा, हर रोज़ हमें सफलता मिलती रही। अब कुछ दिन बीते ही थे फिर एक समस्या हुई, मेरे पेट में बहुत दर्द होने लगा और वो दर्द धीरे-धीरे बढ़ता रहा। मैंने हॉस्पिटल में सभी जगह दिखाया, डॉक्टर ने मुझे बोला कि आपको अल्सर है, मैंने डॉक्टर को बोला कि क्या करें? डॉक्टर ने दवाई दी, फिर भी मुझे छः महीने से आराम नहीं आ रहा था, दर्द बढ़ता जा रहा था, फिर खाना-पीना सब बंद हो गया और तबीयत खराब के कारण मैं बाबा के घर नहीं जा पा रही थी। तब बाबा के घर से कॉल आया, चन्द्रकांता दीदी ने बोला की आपने बाबा के घर आना क्यों छोड़ दिया? तो मैंने बोला मेरे पेट में दर्द है, इसलिए मैं नहीं आ पाई। तो दीदी ने बोला एक बार बाबा के घर आओ।

मैं तुरंत बाबा के घर पहुँची, फिर दीदी ने कहा एक गिलास लस्सी पी लो, मैंने सोचा दीदी मुझे लस्सी क्यों दे रही हैं। दीदी ने कहा गर्मी बहुत है, इसलिए ठण्डी लस्सी पी लो। मैंने लस्सी पी, पीते ही मुझे पेट में आराम मिला, 2015 में मेरे पेट में आराम मिला और 2015 में ही मेरा पेट दर्द खत्म हो गया। आज भी मैं बाबा का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ। जो बाबा ने मुझे अपना बनाया और मेरी सारी मुश्किलों को दूर किया।

चमत्कार की नमस्कारी हर जगह है लेकिन उस अबोध स्थिति में जो कुछ भी परमात्मा से हमें मिलता है, वो अमूल होता है। कभी भूलता नहीं। उससे हम प्रेरणा नहीं लेते, उसको दिल में बसाते हैं कि ज़रूर ये परमात्मा की आवाज़ है, ज़रूर ये भगवान ही हो सकता है। क्योंकि जो चीज़ हमारे मन में पहले से होती है उस चीज़ को हम अपनी आँखों से भी देखते रहते हैं। लेकिन जब आसपास सुगबुगाहट, रगड़ा भी न हो, उस समय जो हमें दिखता है वो सत्य होता है। और उसी सत्य का समूल और एक अनुकरणीय अद्भुत चमत्कारिक अनुभव पढ़िए उन्हीं के शब्दों में जिन्होंने इसे अनुभव किया, देखा और आज तक भूल नहीं पाये।

डॉ. पूजा राजपूत,फिजियोथेरेपिस्ट,[illegible] राजस्थान। मो.- [illegible]

सुनाम-पंजाब। रक्षाबंधन के अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मीरा। आप पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल,दिल्ली तथा शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को भी राखी बाँधी गई।

लाडवा-हरियाणा। रक्षाबंधन के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति।

जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। रक्षाबंधन के अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को राखी बांधते हुए ब्र.कु. चन्द्रकला। साथ हैं ब्र.कु. एकता।

चंडीगढ़-पंजाब। रक्षाबंधन पर्व पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर मल्होत्रा को रक्षासूत्र बांधते हुए पंजाब जोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी।

रामपुर मनिहारान-उ.प्र.। भारत सरकार के राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास विभाग जसवंत सिंह सैनी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. संतोष दीदी। साथ हैं ब्र.कु. सरिता।

करोल बाग-पांडव भवन(दिल्ली)। डॉ. मनसुख मांडविया, केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्री,भारत सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. [illegible] बहन।

भरतपुर-कृष्णा नगर(राज.)। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में मदन दिलावर,पंचायती राज एवं संस्कृत शिक्षा मंत्री,राजस्थान सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी। साथ हैं ब्र.कु. प्रवीणा।

दिल्ली-लोधी रोड। रक्षाबंधन पर्व पर भारत के सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्यमंत्री अजय टम्टा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गिरिजा बहन। साथ हैं राजयोगी ब्र.कु. पीयूष।

गाज़ियाबाद-कवि नगर(उ.प्र.)। डॉ. एस. पी. सिंह बघेल,भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दर्जा प्राप्त कैबिनेट मंत्री,उत्तराखंड सरकार को सेवाकेन्द्र आगमन पर पटका पहनाकर स्वागत करने के पश्चात् मधुबन चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन एवं ब्र.कु. [illegible] बहन। मौके पर उपस्थित हैं जिला [illegible] महानगर गाज़ियाबाद [illegible] शर्मा, मंडल महामंत्री अभिषेक मुखर्जी, मंडल महामंत्री [illegible] सिंह, मंडल उपाध्यक्ष [illegible] चौहान तथा अन्य।

सेक्टर-उ.प्र.। रक्षाबंधन के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी व उनकी धर्मपत्नी डॉ. मधु बाजपेयी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. [illegible]। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. [illegible] दीदी।

रोहतक-हरियाणा। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राजबीर को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. [illegible] साथ हैं ब्र.कु. [illegible]।